भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2563

जिसका उत्तर दिनांक 23.03.2023 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों से लाभ

2563 श्री सैयद नासिर हुसैन :
डा. अमी याज्ञिक :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में मौजूदा 22 रिएक्टरों से उद्योग जगत और आम लोगों को क्या-क्या लाभ हो रहे हैं;

(ख) काकरापार रिएक्टर का वाणिज्यिक संचालन कब तक शुरु किया जाएगा; और

(ग) क्या 'फ्लीट मोड' में बनाए जाने वाले परमाणु रिएक्टरों में छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) शामिल होंगे, जिन्हें परंपरागत परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की तुलना में कम पूंजी लागत और कम स्थान की आवश्यकता होती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) देश में मौजूदा नाभिकीय विद्युत रिएक्टर स्वच्छ, आधार भार बिजली उपलब्ध कराते हैं जो विभिन्न आर्थिक गतिविधियों जैसे उद्योग, वाणिज्य, कृषि आदि के लिए एक प्रमुख चालक है। आमतौर पर, नाभिकीय बिजलीघर लगभग 2000 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करते हैं। उपरोक्त के अलावा, यह उद्योग और जनता को विभिन्न सामानों और सेवाओं की आपूर्ति के लिए बड़े व्यापार अवसर भी प्रदान करता है जो बदले में स्थलों के आस-पास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाता है। एनपीसीआईएल अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के एक भाग के रूप में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों के आस-पड़ोस में स्थानीय जनता के कल्याण हेतु भी कार्य करता है।

(ख) गुजरात के काकरापार में, दो यूनिटें केएपीएस 1 व 2 (2X220 मेगावाट) पहले से ही वाणिज्यिक परिचालन में हैं। इसके अलावा, केएपीपी 3 व 4 (2X700 मेगावाट) वर्ष 2023-24 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए तैयार हैं।

(ग) जी, नहीं। सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में प्रत्येक 700 मेगावाट के 10 स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है।

* * * * *